ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 182

112 दवाइयां क्वालिटी चेक में फेल हुईं:छत्तीसगढ़ में नकली दवा भी मिली; सेंट्रल और स्टेट लैब्स ने सैंपल्स की जांच की

24 न्यूज अपडेट

देश में दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सरकार ने चौंकाने वाली जानकारी दी है। सितंबर 2025 में की गई जांच में 112 दवाओं के सैंपल्स क्वालिटी टेस्ट में फेल पाए गए। इसका मतलब है कि ये दवाइयां मरीजों को ठीक करने के बजाय उन्हें नुकसान पहुंचा सकती हैं। इन 112 सैंपल्स में से 52 की जांच सेंट्रल ड्रग्स लैब ने की, जबकि 60 सैंपल्स को स्टेट लैब्स ने नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (NSQ) यानी मानक क्वालिटी से कम पाया। वहीं, छत्तीसगढ़ में एक दवा का सैंपल नकली भी मिला। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिपोर्ट जारी की।

एक अधिकारी ने बताया कि हर महीने दवाओं की क्वालिटी चेक होती है। सितंबर में कई शहरों से दवाइयों के सैंपल कलेक्ट किए गए थे। जांच में 112 दवाइयां एक या एक से ज्यादा क्वालिटी पैरामीटर्स में फेल हो गईं, जैसे दवा का असर करने वाला एलिमेंट सही मात्रा में न होना या कोई और कमी होना।

अधिकारियों ने कहा कि यह सिर्फ उन बैच की समस्या है, जिनकी जांच की गई। इसका मतलब यह नहीं कि कंपनी की बाकी दवाइयां भी खराब हैं। मार्केट में उपलब्ध अन्य दवाओं पर इसका असर नहीं है। इसमें कई बड़ी कंपनियों की दवाइयां शामिल हैं।

मध्यप्रदेश में बीते दो महीनों में जहरीले सिरप से 26 बच्चों की मौत हो गई थी। इसके बाद कई राज्यों की सरकार ने तीन कफ सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी थी। इसके बाद दवाइयों की क्वालिटी की जांच की जा रही है। है। दवाओं की जांच के पूरे सिस्टम को अपग्रेड करने का प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में नकली दवा मिली

छत्तीसगढ़ में मिली नकली दवा ऐसे कंपनी ने बनाई थी, जिसके पास लाइसेंस नहीं था। इस कंपनी ने किसी दूसरी कंपनी का ब्रांड नाम इस्तेमाल किया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मामले को गंभीरता से लिया है और जांच शुरू कर दी है।

दवाइयों का क्वालिटी चेक हर महीने होता है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) दवाइयों के सैंपल्स की जांच करता है। जो दवाइयां क्वालिटी टेस्ट में फेल या नकली पाई जाती हैं, उनकी लिस्ट CDSCO की वेबसाइट पर डाली जाती है।

सितंबर में जांच किए गए कुल 112 NSQ सैंपल्स और एक नकली दवा की लिस्ट जारी की गई।

RBI का गोल्ड रिजर्व 8.80 लाख किलो के पार:इसकी वैल्यू 8.4 लाख करोड़; 2025-26 के पहले 6 महीने में 600 किलो खरीदा

24 न्यूज अपडेट

भारतीय रिजर्व बैंक के पास सोने का भंडार 2025-26 के पहले छह महीनों (अप्रैल-सितंबर) में 880.18 मीट्रिक टन (8,80,180 kg) के पार हो गया है। 2024-25 के आखिर में यह 879.58 मीट्रिक टन था। 26 सितंबर तक सोने की कुल कीमत 95 बिलियन डॉलर (8.4 लाख करोड़ रुपए) थी। यह जानकारी RBI की लेटेस्ट रिपोर्ट में सामने आई है।

सितंबर तक के छह महीनों में RBI ने अपने स्टॉक में 0.6 मीट्रिक टन (600 किलो) सोना जोड़ा। सितंबर में 0.2 मीट्रिक टन (200 किलो) और जून में 0.4 मीट्रिक टन (400 किलो) सोना खरीदा गया। 2024-25 में RBI ने 54.13 मीट्रिक टन सोना अपने खजाने में जोड़ा था।

देश भर में नवंबर से SIR शुरू होगा:2026 के राज्य चुनावों से पहले पूरी होगी प्रक्रिया, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन होगा

24 न्यूज अपडेट

निर्वाचन आयोग ने नवंबर से देशभर में मतदाता सूचियों की गहन पुनरीक्षण (SIR) की तैयारी पूरी कर ली है। SIR का कार्यक्रम इस तरह से बनाया जाएगा कि अगले साल मई में चुनाव वाले राज्यों में भी यह काम पूरा हो सके। मार्च 2026 तक सभी राज्यों में नई मतदाता सूची तैयार करने की योजना है। सभी राज्यों के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

मतदाता सूची को अपडेट करना मकसद

आयोग का दावा है कि उनका पूरा ध्यान केरल, तमिलनाडु, प. बंगाल, असम और पुडुचेरी पर है, जहां मई 2026 तक चुनाव होने हैं। SIR का उद्देश्य मतदाता सूचियों में दोहरे मतदाताओं को हटाना और यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता भारतीय नागरिक है।

ऐसी समीक्षा 2 दशक बाद हो रही है, क्योंकि शहरीकरण और माइग्रेशन बढ़ने से इसकी जरूरत महसूस हुई। यहां हालात ऐसे

आंध्र प्रदेश में 2003-2004 5.5 करोड़ मतदाता थे, अब 6.6 करोड़ हैं। उत्तर प्रदेश में 2003 में 11.5 करोड़ थे, अब 15.9 करोड़ हैं। दिल्ली में 2008 में 1.1 करोड़ थे, अब 1.5 करोड़ हैं।

बैठक में तय हुआ कि बीएलओ हर मतदाता के घर जाकर प्री फील्ड फॉर्म पहुंचाएंगे। इस प्रक्रिया में 31 दिसंबर तक 18 वर्ष के हर मतदाता को शामिल माना जाएगा। देशभर में 99 करोड़ 10 लाख मतदाता हैं। इनमें से बिहार करीब 8 करोड़ मतदाताओं की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। 2002 से 2004 के बीच SIR में 70 करोड़ मतदाता दर्ज हुए थे। ऐसे में माना जा रहा है कि 21 करोड़ मतदाताओं को ही जरूरी दस्तावेज देने होंगे।

सोना एक दिन में 935 और चांदी 3700 सस्ती:7 दिन में सोने की कीमत में 8,455 घटी, चांदी में 30 हजार की गिरावट

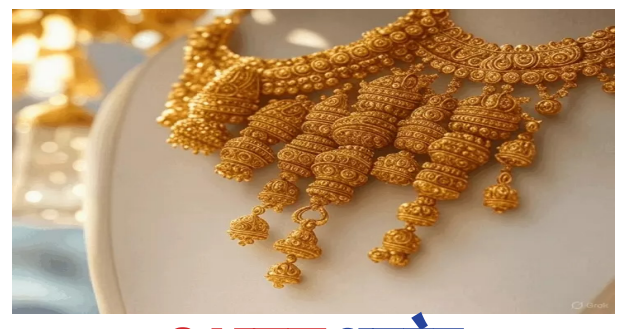

24 न्यूज अपडेट

सोने की कीमत एक हफ्ते में 8,455 रुपए घटकर 1,22,419 प्रति10 ग्राम पर आ गई है। 17 अक्टूबर को सोना 1,29,584 के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा था।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, आज 24 अक्टूबर को सोना 935 सस्ता हुआ है। इससे पहले 23 अक्टूबर को इसकी कीमत 1,23,354 प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, चांदी में 3,700 की गिरावट है। ये 1,47,750 प्रति किलोग्राम बिक रही है। कल इसकी कीमत 1,51,450 प्रति किलोग्राम थी। अपने ऊपरी स्तर से चांदी 30,350 सस्ती हुई है।

IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

6-महीने में 1572 लाख करोड़ का लेनदेन, UPI से 9% :अक्टूबर में हर दिन 96 हजार करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन

24 न्यूज अपडेट

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी UPI से लेनदेन सिर्फ छोटे अमाउंट तक सीमित है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में यानी 30 जून तक देश में 1572 लाख करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन किए गए।

ये पिछले साल से 15% ज्यादा है। सबसे ज्यादा 85% ट्रांजैक्शंस UPI से किए गए, लेकिन कुल लेनदेन (मूल्य) में हिस्सेदारी सिर्फ 9% रही। इस दौरान RTGS से 0.1% ट्रांजैक्शंस किए गए, लेकिन कुल लेनदेन में हिस्सेदारी लगभग 69% रही।

वहीं, अक्टूबर में फेस्टिव सीजन के दौरान UPI से एवरेज डेली ट्रांजैक्शन बढ़कर 96,638 करोड़ पहुंच गया, जो सितंबर के 82991 करोड़ ट्रांजैक्शन के मुकाबले 16% ज्यादा है। NPCI के मुताबिक, UPI का इस्तेमाल बढ़ने की वजह दशहरा और फिर दीपावली पर खरीदारी के लिए UPI का अधिक इस्तेमाल होना है।

17वां रोजगार मेला- पीएम ने 51 हजार जॉब लेटर बांटें:कहा- यह केवल सरकारी नौकरी नहीं, आपको राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका मिला है

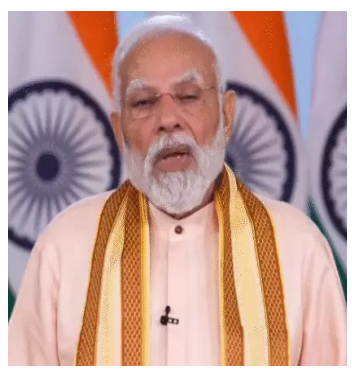

24 न्यूज अपडेट

PM मोदी ने शुक्रवार को 17वें रोजगार मेला में 51 हजार से ज्यादा युवाओं को जॉब लेटर बांटें। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संदेश भी दिया। उन्होंने कहा- आपको केवल सरकारी नौकरी नहीं मिली है। राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का अवसर मिला है।

पीएम ने आगे कहा- इस बार रोशनी का त्योहार दिवाली आप सभी के जीवन में नई रोशनी लेकर आया है। उत्सवों के बीच पक्की नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र मिलना यानी उत्सवों का उल्लास और सफलता की डबल खुशी है। ये खुशी आज देश के 51 हजार से ज्यादा युवाओं को मिली है।

सेंसेक्स 345 अंक नीचे 84,212 पर बंद:निफ्टी भी 100 अंक लुढ़का; FMCG, बैंकिंग और फार्मा शेयरों में ज्यादा गिरावट

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार, 24 अक्टूबर को सेंसेक्स 345 अंक गिरकर 84,212 पर बंद हुआ। निफ्टी में 97 अंक की गिरावट रही, ये 25,795 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 20 शेयरों में गिरावट रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक, अडाणी पोर्ट्स के शेयरों में 3.5% तक की गिरावट रही।

निफ्टी के 50 शेयरों में 34 गिरे। NSE के FMCG, बैंकिंग, फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर सबसे ज्यादा गिरे। मेटल और रियल्टी शेयरों में तेजी रही।

आंध्र प्रदेश में चलती बस में आग, 20 जिंदा जले:बाइक टकराकर बस के फ्यूल टैंक में फंसी, इससे आग लगी; 40 यात्री सवार थे

24 न्यूज अपडेट

आंध्र प्रदेश के कुर्नूल में चिन्नाटेकुर के पास एक प्राइवेट बस में आग लग गई। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक हादसे में 20 यात्री जिंदा जल गए। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 25 है। कुर्नूल कलेक्टर के मुताबिक घटना शुक्रवार सुबह लगभग 3:30 बजे हुई। अब तक 11 शवों की पहचान हो गई है, 9 के बारे में पता नहीं चल पाया है।

बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी। NH-44 पर बाइक में टक्कर हुई। बाइक बस के नीचे घुस गई और फ्यूल टैंक से टकरा गई। इससे बस में तुरंत आग लग गई। हादसे में बाइक सवार शिवशंकर की भी मौत हो गई।

बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से कई जल गए। 19 ने कूदकर जान बचाई। इमरजेंसी गेट तोड़कर निकले लोग बुरी तरह झुलस गए थे, इन्हें कुर्नूल सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

कलेक्टर के मुताबिक, बस में दो ड्राइवरों समेत कुल 41 लोग सवार थे। एक बाइक बस के नीचे फंस गई। हादसे के बाद बाइक से पेट्रोल लीक हो गया और उसमें आग लग गई। 21 यात्रियों का पता लगा लिया है। वे सुरक्षित हैं। 11 शव बस से निकाले गए हैं।

आग लगी, शॉर्ट सर्किट हुआ और दरवाजा नहीं खुला

कुर्नूल रेंज के DIG कोया प्रवीण ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि बस में सवार 2 बच्चों समेत 21 यात्री बाल-बाल बच गए। ड्राइवर-क्लीनर की कोई जानकारी नहीं मिली है। ज्यादातर लोग 25 से 35 साल के थे। हादसे के वक्त यात्री सो रहे थे, जिससे उन्हें बचने का मौका नहीं मिला। आग लगने के बाद बस में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे बस का दरवाजा भी जाम हो गया। शीशे तोड़ने के लिए कोई सेफ्टी हैमर नहीं थे।

पीएम और सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मृतकों के परिवारों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए की मदद का ऐलान किया। पीएम ने कहा कि वे हादसे से दुखी हैं और घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं।

संपादकीय : कानून के हाथ

दिल्ली के रोहिणी इलाके में एक मुठभेड़ के दौरान पुलिस के हाथों चार वांछित अपराधियों के मारे जाने की घटना कानून-व्यवस्था और आपराधिक तत्वों पर काबू पाने के लिहाज से पुलिस की बड़ी उपलब्धि है। मगर इस मुठभेड़ की अहमिय इसलिए ज्यादा है कि मारे गए अपराधियों की मंशा बिहार में विधानसभा चुनावों के दौरान किसी बड़ी हिंसक वारदात के जरिए दहशत फैलाने की थी 'रिसमा गिरोह' के नाम से कुख्यात अपराधियों का जबरन वसूली से लेकर भयादोहन और हत्या जैसे जघन्य अपराधों को अंजाम देने का एक बड़ा जाल था और लंबे समय से पुलिस को उनकी तलाश थी। इसी क्रम में बिहार के सीतामढ़ी जिले की पुलिस की सूचना और दिल्ली पुलिस के साथ एक सुनियोजित अभियान के साथ रोहिणी इलाके में कार में जा रहे इन अपराधियों को रोका गया। लेकिन जब अपराधियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, तब पुलिस ने भी जवाब दिया। माना जा रहा है कि पुलिस की इस कामयाबी के साथ बिहार के अपराध जगत में वर्चस्व कायम करने के लिए आतंक का माहौल खड़ा करने वाले 'सिग्मा गिरोह' का खात्मा हो गया है, लेकिन इससे जुड़ा एक प्रश्न गंभीर है और इसका दायरा काफी बड़ा है। दरअसल, इस संबंध में आई खबरों के मुताबिक, विहार पुलिस ने यह जानकारी साझा की थी कि एक फोन काल में इस गिरोह का सरगना अपने साथियों से बिहार में चुनाव पहले दहशत फैलाने की बात कर रहा था । यह एक ऐसा पहलू था, जो समूचे बिहार के चुनाव को बुरी तरह प्रभावित कर सकता था। इसलिए बिहार पुलिस ने अगर इस आधार पर बिना देर किए सक्रियता दिखाई और दिल्ली पुलिस से तालमेल कर इस अभियान को कामयाब बनाया तो निश्चित रूप से यह बड़ी उपलब्धि है। बिहार में चुनाव और अपराध का इतिहास जगजाहिर रहा है। अमूमन हर चुनाव के दौरान कुछ नेताओं की ओर से अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात देने के लिए हर तरह के हथकंडे का सहारा लेने के किस्से आम रहे हैं, जिसमें किसी अपराधी को सुपारी देकर दहशत फैलाने से लेकर हत्या या इसके लिए कोशिशें तक शामिल थीं। इसका नतीजा यह होता था कि एक ओर कोई उम्मीदवार अपने कदम पीछे खींच लेता था, तो दूसरी ओर मतदाताओं के बीच भी भय का माहौल व्याप्त हो जाता था । इसका सीधा असर चुनाव, मतदान की प्रक्रिया और नतीजों पर पड़ता था । अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर दिल्ली में मारे गए 'सिग्मा गिरोह' के चार अपराधियों का मकसद अगर इसी तरह की घटना को अंजाम देना था, तो एक बार फिर बिहार के चुनावों में कैसी तस्वीर देखने को मिलती। खबरों के मुताबिक, यह कुख्यात गिरोह बिहार से लेकर नेपाल सीमा तक फैला हुआ था और इसके सदस्य खेशल मीडिया के जरिए भी अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करते थे। साथ ही ये लोग बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश में रंगदारी, सुपारी लेकर हत्या और अवैध हथियार आपूर्ति जैसे अपराधों में लिप्त थे । इस गिरोह के खात्मे के बाद थोड़ी राहत महसूस की जा सकती है, लेकिन इसकी क्या गारंटी है कि बिहार में ऐसे दूसरे गिरोह सक्रिय नहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान बिहार में अपराधों का ग्राफ इस कदर तेज रफ्तार से बढ़ा है कि इसे लेकर हर तरफ चिंता जताई जाने लगी है। सरेआम हत्या की कई बड़ी वारदात से यह साफ हुआ कि राज्य में सुशासन का दावा महज एक लुभावना नारा भर है। हालांकि पुलिस अगर ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करे, तो उसके लिए अपराधियों पर शिकंजा कसना बहुत मुश्किल नहीं है।

मनमानी का नतीजा

हर वर्ष दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण एक बड़ी समस्या के रूप सामने आता है । आज हालत यह है कि इसने लाखों लोगों की सेहत को जोखिम में डाल दिया है । सवाल यह है कि हर वर्ष कुछ महीने एक ही स्थिति रहने के बावजूद सरकार इस समस्या को काबू क्यों नहीं कर पा रही है। हर बार चंद कदम उठाए जाते हैं और जैसे ही मौसम बदलता है, सरकार हाथ पर हाथ रख कर बैठ जाती है, यह जानते हुए भी कि अगले साल भी यही समस्या होगी। इस समय दिल्ली में पिछले तीन दिनों से वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की जा रही है। हालांकि इसकी एक वजह हवा की गति कम होना बताया जा रहा है। गौरतलब है कि शीर्ष न्यायालय ने निर्धारित समय में और एक निश्चित मापदंड के साथ हरित पटाखे छोड़ने की अनुमति दी थी। मगर जिस तरह से नियमों का उल्लंघन किया गया, उससे साबित हो गया कि नागरिकों में दायित्व बोध का किस हद तक अभाव है। नतीजा यह कि बुधवार को दिल्ली से लेकर नोएडा और गाजियाबाद तक वायु गुणवत्ता सूचकांक तीन सौ से ऊपर चला गया। अन्य इलाकों से भी प्रदूषण के इसी तरह बेलगाम होने की खबरें आईं। सवाल है कि मनमानी का नतीजा किसे भुगतना होगा। गौरतलब है कि दिल्ली में बीते सोमवार को वायु प्रदूषण चार वर्षों के उच्चतम स्तर पर चला गया था। इस हवा को बिगाड़ने में निस्संदेह उन लोगों का भी हाथ रहा जो पटाखे छोड़ने की छूट का मनमाना दुरुपयोग कर रहे थे। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में प्रदूषण कम होने की बात सरकारी स्तर पर कही गई है। जबकि दीपावली के अगले ही दिन आंखों में जलन और घुटन महसूस करने की शिकायतें आम थीं पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आसमान धुंधला हो चुका था। सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए इस बार भी उन्हीं उपायों को अपना रही है, जो बहुत कारगर नहीं रहे हैं। यह बेहद निराशाजनक है कि राजधानी और आसपास बढ़ते प्रदूषण को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। आज जरूरत इस समस्या का ठोस हल निकालने की है। यह नहीं भूलना चाहिए कि यह जीवन जीने के अधिकार से भी जुड़ा मसला है।

ये क्या हो गया खन्ना साहब!!! दीपावली मेले में व्यापारी बेच गया एक्सपायरी माल!! सोता रहा प्रशासन

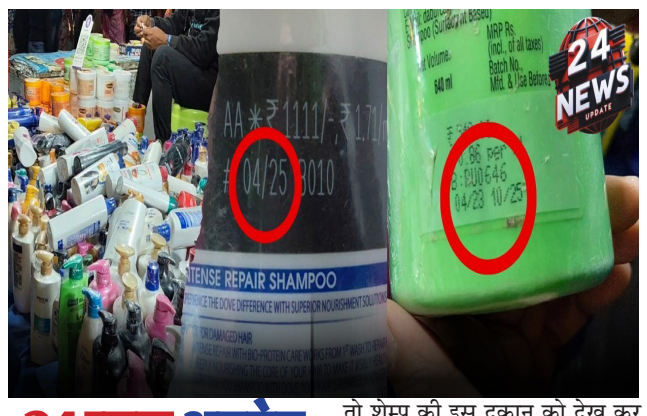

24 न्यूज अपडेट

नगर निगम के दीपावली मेले में अफसरों और मेला प्रबंधन में लगे कर्मचारियों की मिलीभगत से लोगों के स्वास्थ्य के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया गया। इस गोरखधंधे को ना कोई देखने वाला था ना टोकने वाला। निगम को केवल अपनी कमाई से मतलब था। टेंडर होने के बाद निगम आयुक्त सहित अफसरों ने आंखें बंद कर ली और मेला प्रबंधन में लगे लोगों ने अवैध तरीके से व्यापार करने वाले और घटिया व एक्सपायरी माल बेचने वालों को खुली छूट दे दी। गुरूवार को मेले के आखिर दिन जब हम मेला स्थल का जायजा लेने पहुचे तो शेम्पू की इस दुकान को देख कर चौंक गए। यहां पर अलग-अलग क्वालिटी के शेम्पू की बोतलों के ढेर लगे थे। ये शेम्पू नामी ब्रांड की कंपनियों के थे। शेल्पू की हर बोतल 200 रूपए में बेचने के लिए बार-बार बोली लगाई जा रही थी। जब हमने कुछ बोतल को उठाकर उसकी एमआरपी और एक्सपायरी चेक की तो हम चौंक गए। एमआरपी से लगभग पांच गुना कम दाम पर शेम्पो बेचे जा रहे थे और लोग धड़ल्ले से सस्ते के लालच में उनको खरीद रहे थे। हमने जब शेम्पो की बोतलों की एक्सपायरी चेक की तो हम फिर से चौंक गए क्योंकि लगभग सभी बोतलों की एक्सपायरी डेट निकल गई थी। कुछ बोतलों पर तो ब्रांड के नाम तक घिसे हुए थे। बोतलों पर ऐसी पेकिंग थी मानों ये आज ही स्टॉक में नया माल आया हो। अब सवाल यह उठता है कि अगर एक्सपायरी बोलतें मेले में बेची गईं और जनता के स्वास्थ्य से खुलेआम खिलवाड़ किया गया तो क्या खानपान की वस्तुओं की भी जांच की गई। क्या अन्य वस्तुओं की गुणवत्ता को भी इसी तरह व्यापारियों भरोसे ही छोड़ दिया गया। मेला निगम ने लगाया है तो पूरी की पूरी जिम्मेदारी उसी की है। अगर इन एक्सपायरी शेम्पो से किसी को एलर्जी होती या कोई और नुकसान होता तो उसका जिम्मेदार आखिर कौन होगा?? क्या इस वीडियो को देखने के बाद निगम आयुक्त दुकानदार पर और मेले में परमिशन देने वा निगराने रखने वाले अफसरों व कर्मचारियों पर कोई एक्शन लेंगे?? हमें तो नहीं लगता है, दर्शकों आपको लगता है तो कमेंट बॉक्स में अपने विचारों के माध्यम से हमें जरूर बताइयेगा। हमारी रिक्वेस्ट है कि अगर आपने ये एक्सपायरी शेंम्पो खरीदे हैं तो तुरंत उसे कूड़ेदान में फेंक दें। क्योंकि सस्ते के चक्कर में कही आपको लेने के देने नहीं पड़ जाएं।

मरीजों की असुविधाओं पर ग्राहक पंचायत ने की डीएमओ से वार्ता

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भट्ट जी की बाड़ी स्थित अमेरिकन हॉस्पिटल में मरीजों और उनके परिजनों को डिलीवरी एवं विभिन्न जांचों से संबंधित आ रही असुविधाओं के समाधान को लेकर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने हॉस्पिटल के डीएमओ डॉ. अभिमन्यु सिंह राठौड़ से मुलाकात की। पंचायत के प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल और जिला अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने हॉस्पिटल प्रशासन को मरीजों द्वारा बताई गई समस्याओं से अवगत कराया। जिला मंत्री नारायण पंचोली ने जानकारी दी कि डॉ. अभिमन्यु राठौड़ ने मरीजों और उनके परिजनों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल समाधान की कार्रवाई की तथा आगे से सभी को सुगम इलाज और बेहतर व्यवस्था का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल हरिशंकर तिवारी ने त्वरित कार्रवाई के लिए हॉस्पिटल प्रशासन और डॉ. राठौड़ का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष करणसिंह कटारिया और नरोत्तम गौड़ भी उपस्थित रहे।

सुरी सन्मति सुनिल संत भवन का हुआ भव्य शिलान्यास : सुप्रज्ञमती माता जी ने दिया समाज को मंगल आशीर्वाद

24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा, सदर बाजार स्थित नेमीनाथ जिनालय में चतुर्मासरत विदुषी आर्यिका सुप्रज्ञमती माता जी के निर्देशन में आज श्री सन्मति सुनील संत भवन का भव्य शिलान्यास संपन्न हुआ। समाज अध्यक्ष वीरेंद्र वखारिया ने बताया कि इस शुभ अवसर पर प्रातः माताजी के सानिध्य में विधानाचार्य अरविंद जैन रामगढ़ के निर्देशन में भगवान की शांति धारा एवं पंचामृत अभिषेक किया गया। समाज जनों द्वारा भवन के मुख्य शिलान्यास कर्ता बाबूलाल सराफ परिवार के निवास पर जाकर संपूर्ण परिवार को पगड़ी पहना कर, उपर्णा ओढ़ा कर, माल्यार्पण कर सम्मानित कर अगवानी करते हुए बैंड बाजे के धुन पर नाचते गाते आर्यिका के नेतृत्व में शिलान्यास स्थल पर लाया गया। चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष नरेंद्र पंचोली ने बताया कि आर्यिका की उपस्थिति में विधानाचार्य जैन द्वारा पूरे विधि विधान एवं मंत्र उच्चारण के साथ बाबूलाल सर्राफ परिवार द्वारा भवन की प्रथम शिला स्थापित कर नीव रखकर मुख्य शिला पूजन कर्ता का सौभाग्य प्राप्त किया गया। इसके पश्चात क्रमशः भवन के कमरा निर्माण सौभाग्य कर्ता वीरेंद्र वखारिया परिवार, वाडीलाल शाह परिवार, श्रवण पंचोली परिवार, दिक्षल जिग्नेश शाह परिवार, कुलदीप जैन परिवार द्वारा शीला स्थापित की गई। आर्यिका द्वारा समाज जनों को इस भवन निर्माण की सफलता एवं जल्द निर्माण का मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। शिलान्यास के पश्चात सभी समाज जनों के लिए स्वामी वात्सल्य का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के महामंत्री वरिष्ठ सदस्य कन्हैया लाल जैन, शांतिलाल पंचोली, हेवन फड़ीया, शांति लाल वखारिया, पूनम चंद वखारिया सहित कई सदस्य एवं महिलाएं उपस्थित रही।

सागवाड़ा में लेपर्ड का आतंकः ग्रामीणों ने कलेक्ट्री के सामने प्रदर्शन कर जल्द कार्रवाई की मांग की

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, डूंगरपुर। डूंगरपुर जिले के सागवाड़ा क्षेत्र में माही मोरन नदी के किनारे स्थित गांवों में लेपर्ड के लगातार दिखाई देने और पशुओं पर हमले से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। पिछले पांच दिनों में लेपर्ड ने एक ऊंट और तीन भेड़ों का शिकार किया है, जिससे पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि लेपर्ड का परिवार इलाके में मूवमेंट बढ़ा चुका है और यह खेतों, बस्तियों और आसपास के इलाकों में बार-बार दिखाई दे रहा है। कई पशुपालक अपने मवेशियों को घरों के पास खुले बाड़े में बांधते हैं, लेकिन हमले का डर बना रहता है। इस समय फसलों की बुवाई चल रही है और खेतों में आने-जाने वाले लोगों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा खतरे में है। इस दहशत के चलते वांदरवेड, दिवड़ा और सिलोही गांवों के ग्रामीण शुक्रवार को सागवाड़ा कलेक्ट्री पहुंचे और प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से लेपर्ड को आदमखोर बनने से पहले पकड़ने और सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। वन विभाग ने लेपर्ड को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि प्रयास नाकाफी हैं। प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों से सख्त कार्रवाई करने और जल्दी से जल्दी लेपर्ड को पकड़ने का आग्रह किया है, ताकि इलाके में जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने मासखमण समारोह में की शिरकत, राजसमंद प्रवास पर आमजन से की भेंट

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। सांसद श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ आज राजसमंद प्रवास पर रहीं। उन्होंने प्रज्ञा विहार में आयोजित अणुव्रत दिवस एवं तपस्विनी श्रीमती मधु पगारिया के मासखमण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। समारोह में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण के आज्ञानुवर्ती शासन श्री मुनि सुरेश कुमार की उपस्थिति में आचार्य तुलसी का 112वां जन्मदिवस मनाया गया। मुनि सुरेश कुमार ने कहा कि आचार्य तुलसी समाज में नवाचार और संतुलन दोनों को साधने वाले महान स्वप्नदृष्टा थे, जिनकी स्मृति सदियों तक जीवित रहेगी। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने कहा कि "जो भी दायित्व मिले, उसे निष्ठा और ईमानदारी से निभाना ही सच्ची साधना है। सत्य के मार्ग पर चलने से संघर्ष भी सफलता में बदल जाता है। आचार्य तुलसी ने समाज की प्रगति के लिए अपना जीवन समर्पित किया, इसलिए वे सदा स्मरणीय रहेंगे।"समारोह में तेरापंथ सभा अध्यक्ष लाभचंद बोहरा, राष्ट्रीय महामंत्री जगजीवन चोरड़िया, मेवाड़ कॉन्फ्रेंस कार्यकारी अध्यक्ष भूपेंद्र चोरड़िया, ते.यू.प अध्यक्ष गौतम कोठारी, महिला मंडल अध्यक्षा मनीषा कच्छारा, टी.पी.एफ अध्यक्ष दिव्यांश चव्हाण सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। समारोह के पश्चात सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ राजसमंद कलेक्ट्रेट स्थित सांसद कार्यालय पहुंचीं और दीपावली की शुभकामनाएं देने आए नागरिकों से स्नेह भेंट की। उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं पर आमजन से संवाद किया।

ऑपरेशन संस्कार के तहत 10 उत्पाती बाइकर्स को करवाया पाबंद

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर उत्पात मचाने वालो के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए ऑपरेशन संस्कार के तहत् बाईकर्स के कुल दस बदमाश गिरफतार किए। थाना प्रभारी मदनलाल खटीक ने बताया की जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन संस्कार के तहत् कार्यवाही करने गठीत पुलिस टीम एएसआई हरिसिंह,एएसआई शंकरलाल, हैड कानि. प्रकाशचन्द्र, कानि. दिलवर सिंह,चन्द्रपाल सिंह,भीमराज ने सिद्धनाथपुरा, ठाकरडा,भासौर में सार्वजनिक स्थान पर उत्पाद मचाकर आम जन को परेशान करने वाले बाईकर्स गैग के 10 बदमाशान डोला निवासी हितेश पुत्र मोहनलाल कटारा,महेश पुत्र मांगीलाल कटारा, हार्दिक पुत्र भोगीलाल कटारा,आंतरी निवासी सुनिल पुत्र जीवतराम रोत,सिद्धनाथपुरा निवासी राहुल पुत्र गटु ननोमा,घोटाद निवासी नरेश पुत्र नाना डोडीयार,मणिलाल पुत्र सुखलाल डोडियार,भासौर मेडी फला निवासी नरेश पुत्र कांतिलाल डामोर,विकास पुत्र कांतिलाल डामोर को गिरफतार कर कार्यालय मजिस्ट्रेट के समक्ष् पेरश कर आईदा उत्पाद नही करने के लिए 6 माह के लिए पाबंद किया।

उदयपुर में सब जूनियर कबड्डी चयन ट्रायल 1 नवम्बर को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिला कबड्डी संघ उदयपुर के तत्वावधान में 1 नवम्बर 2025, शनिवार को महाराणा भोपाल स्टेडियम, गांधी ग्राउंड पर उदयपुर जिला सब जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी चयन ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। संघ के सचिव मुकेश जैन ने बताया कि इस ट्रायल में केवल उदयपुर के मूल निवासी खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में 16 वर्ष तक के खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। प्रतिभागियों को अपने साथ मूल निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और आयु प्रमाण पत्र (दसवीं या आठवीं बोर्ड की अंक तालिका की फोटो प्रति) जमा करना अनिवार्य होगा। ट्रायल में भाग लेने वाले बालक वर्ग के खिलाड़ी का अधिकतम वजन 60 किलो और बालिका वर्ग के खिलाड़ी का अधिकतम वजन 55 किलो होना चाहिए। आयोजन सचिव जालम चंद जैन ने बताया कि चयन ट्रायल के आधार पर उदयपुर सब जूनियर टीम का गठन किया जाएगा। यह टीम जयपुर में 4 से 7 नवम्बर 2025 तक आयोजित होने वाली 35वीं राजस्थान राज्य सब जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेगी।

जयपुरः 84 साल की बुजुर्ग महिला के पेट से निकाला 5 किलो का विशाल ट्यूमर, चार घंटे में हुई सफल सर्जरी

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। पं. दीनदयाल उपाध्याय हॉस्पिटल (गणगौरी हॉस्पिटल) में 84 वर्षीय बुजुर्ग महिला के पेट से करीब 5 किलो वजन का विशाल रेट्रोपेरिटोनियल ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाला गया। चार घंटे चली जटिल सर्जरी के बाद महिला स्वस्थ हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. लीनेश्वर हर्षवर्धन ने बताया कि सीनियर लेप्रोस्कॉपिक सर्जन डॉ. मुकेश कुमार शर्मा और उनकी टीम ने यह ऑपरेशन किया। डॉ. शर्मा ने कहा कि महिला को 13 अक्टूबर को ओपीडी में लाया गया था, जहां उन्हें मोशन और टॉयलेट न होने की समस्या थी। सोनोग्राफी और सीटी स्कैन में 25×20 सेमी. के ट्यूमर का पता चला, जो पेट के निचले हिस्से और बच्चेदानी से चिपका हुआ था। ट्यूमर के दबाव से यूरेटर और प्रमुख धमनियां प्रभावित थीं, जिससे किडनी में सूजन और मल त्याग में कठिनाई हो रही थी।

डॉ. शर्मा ने बताया कि चार बड़े निजी अस्पतालों ने मरीज की उम्र को देखते हुए ऑपरेशन करने से मना कर दिया था, लेकिन उनकी टीम ने चुनौती स्वीकार की। चार घंटे की सर्जरी में मरीज के पेट पर 10 सेमी. का चीरा लगाया गया और ट्यूमर के साथ बच्चेदानी को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया।

इस ऑपरेशन में डॉ. संजय, डॉ. कमलेश, डॉ. वीरेंद्र, डॉ. शहादत अली, डॉ. लुकमान और एनिस्टेसिया टीम के डॉ. हर्ष, वीना और रवि ने सहयोग किया। डॉ. शर्मा ने कहा कि इस उम्र में इतने बड़े और जटिल ऑपरेशन का सफल होना दुर्लभ है।

अलवर में हनी ट्रैप और ब्लैकमेलिंग गिरोह का पर्दाफाश

बलात्कार के झूठे केस की धमकी देकर 30 लाख ऐंठे, महिला सहित 3 आरोपी 12 घंटे में गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 24 अक्टूबर। अलवर जिले की शिवाजी पार्क पुलिस ने अपहरण कर अश्लील वीडियो-फोटो बना बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 30 लाख रुपए की मांग करने के आरोप में एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह पहले भी कई वारदातों को अंजाम दे चुका है।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि बुधवार 22 अक्टूबर को महिला आरोपी शहरुना ने एक परिवादी को इलाज के बहाने अपने निवास पर बुलाया। परिवादी जैसे ही आरटीओ ऑफिस के पास महिला के बताए पते पर पहुंचा, वह एक जाल में फंस गया। महिला के साथ मिलकर, वसीम खान उर्फ मूसा और प्रियांशु चौधरी उर्फ गोधू ने परिवादी को जबरन बंधक बना लिया।

कमरे में आते ही आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी और परिवादी के कपड़े फाड़ दिए। अंडरवियर में खड़ा कर महिला के साथ उसकी आपत्ति जनक फोटो और वीडियो बना लिए गए। इस कृत्य के बाद आरोपियों ने ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू किया। उन्होंने धमकी दी कि यदि उन्हें 30 लाख नहीं दिए गए तो बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाकर बर्बाद कर दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने परिवादी का सामान और कुछ पैसे भी छीन पडिसल की तरफ रोड पर फेंक गए। 12 घंटे के भीतर गिरफ्त में शातिर अपराधी, पुलिस से बचने सिर मुंडवाया मामले की सूचना मिलते ही अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। थानाधिकारी शिवाजी विनोद सामरिया और थानाधिकारी विजय मंदिर भरतलाल के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया।

पुलिस की टीमों ने आसूचना और तकनीकी मदद से मात्र 12 घंटे के अंदर तीनों आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस टीम जब आरोपी प्रियांशु उर्फ गोधू को पकड़ने गई तो पता चला कि उसने अपनी पहचान छिपाने के लिए अपना सिर गंजा करवा लिया था।

पुलिस ने मामले में आरोपी वसीम खान उर्फ मूसा मेव (18) निवासी विजय मन्दिर, प्रियांशु चौधरी उर्फ गोधू (21) निवासी एनईबी और महिला आरोपी शहरुना (33) को गिरफ्तार किया हैं। महिला ने दो शादियां की हुई है।

मुख्य आरोपी प्रियांशु चौधरी उर्फ गोधू का आपराधिक रिकॉर्ड बेहद लंबा है, जिसके खिलाफ पहले से ही कई थानों में मारपीट, धमकी और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त एंड्रॉइड मोबाइल और परिवादी का सोने का लॉकेट भी बरामद किया है।

जैसलमेर-जोधपुर हाईवे बस अग्निकांडः FSL रिपोर्ट में खुलासा, AC की खराब वायरिंग से लगी थी आग

24 न्यूज अपडेट

जैसलमेर. जोधपुर हाईवे पर 14 अक्टूबर को हुए बस अग्निकांड की एफएसएल जांच रिपोर्ट सामने आ गई है। रिपोर्ट के अनुसार बस में आग एसी की खराब वायरिंग और शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आग बस की छत पर लगे एसी यूनिट से शुरू हुई और कुछ ही मिनटों में पूरे केबिन में फैल गई। इसके कारण बस के भीतर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस भर गई, जिससे यात्री बेहोश हो गए। आग लगने के बाद कई यात्रियों ने खिड़कियां तोड़कर बाहर निकलने की कोशिश की। जैसे ही बाहर की हवा अंदर आई, बस में आग और तेजी से फैल गई। एफएसएल जांच में यह भी सामने आया कि बस के नीचे का हिस्सा, टायर और डीजल टैंक पूरी तरह सुरक्षित थे। बस की डिग्गी में मिले पटाखे भी हादसे का कारण नहीं थे। इससे साफ हुआ कि आग किसी बाहरी धमाके या साजिश से नहीं, बल्कि तकनीकी खराबी और सुरक्षा मानकों की अनदेखी से लगी थी। जांच में यह भी पता चला कि एसी वायरिंग इंजन से असुरक्षित तरीके से जुड़ी थी और बस बॉडी में प्रयुक्त सामग्री फायर-रेसिस्टेंट नहीं थी।

इस मामले में बस मालिक, ड्राइवर और बस की बॉडी बनाने वाले कारखाने के मालिक को गिरफ्तार किया गया है। एफएसएल रिपोर्ट के अनुसार हादसा लापरवाही और सुरक्षा नियमों की अवहेलना के कारण हुआ था और इसे समय रहते तकनीकी निरीक्षण से टाला जा सकता था।

फर्जी कोर्ट सम्मन/वारंट से सावधान, साइबर ठगों का नया जाल, राजस्थान पुलिस की एडवाइजरीः झूठी एफआईआर और जमानत के नाम पर हो रही ठगी

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 24 अक्टूबर। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा आमजन को एक नए प्रकार के साइबर अपराध फर्जी कोर्ट सम्मन/वारंट धोखाधड़ी के प्रति सचेत कर रही है। अपराधी खुद को न्यायालय अधिकारी या पुलिस बताकर नागरिकों को डराते हैं और ऑनलाइन माध्यम से पैसे ऐंठते हैं। उपमहानिरीक्षक पुलिस साइबर क्राइम विकास शर्मा ने बताया कि साइबर अपराधी अब इन तरीकों से फंसा रहे हैं:

1. धमकी भरा नोटिसः अपराधी स्वयं को न्यायालय अधिकारी, पुलिस अधिकारी या अधिवक्ता बताते हैं।

2. फर्जी दस्तावेजः वे डिजिटल हस्ताक्षर युक्त फर्जी न्यायालय सम्मन, जमानती वारंट या FIR नोटिस सोशल मीडिया (जैसे WhatsApp, Email) के माध्यम से भेजते हैं।

3. ऑनलाइन भुगतान की मांगः नागरिकों को डराकर वे जमानत राशि या केस निरस्तीकरण शुल्क के नाम पर ऑनलाइन भुगतान (UPI/Wallet/Bank Transfer) की मांग करते हैं।

साइबर ठगी से बचने के लिए सुरक्षा उपाय

1 सत्यापन करेंः किसी भी प्रकार का कोर्ट सम्मन/वारंट प्राप्त होने पर, उसकी सत्यता संबंधित न्यायालय/पुलिस थाना से सत्यापित करें।

2. लिंक पर क्लिक न करेंः सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त नोटिस में दिए गए संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।

3. ऑनलाइन भुगतान से बचेंः किसी भी अनजान व्यक्ति या संस्था द्वारा मांगी गई जमानत राशि या शुल्क ऑनलाइन ट्रांसफर न करें।

4. जांच करेंः सोशल मीडिया से प्राप्त किसी भी संदिग्ध लिंक, वीडियो कॉल या दस्तावेज की गहन जांच करें।

5. गोपनीय जानकारी साझा न करेंः अपना आधार, बैंक खाता विवरण या ओटीपी किसी को भी साझा न करें।

धोखाधड़ी होने पर तुरंत सूचित करें

डीआईजी शर्मा ने बताया कि यदि आपके साथ इस प्रकार की कोई घटना होती है, तो तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन/साइबर पुलिस स्टेशन, साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल https://cybercrime.gov.in, साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और साइबर हेल्पडेस्क नंबर 9256001930/9257510100 माध्यमों से सूचना दें।

पुष्कर मेले में दो महीने की प्रेग्नेंट 1 करोड़ की घोड़ी 'नगिना' पहुंची, देशभर में मशहूर घोड़ा दिलबाग की बेटी

24 न्यूज अपडेट

पुष्कर (अजमेर). विश्व प्रसिद्ध पशु मेले में इस बार 1 करोड़ की कीमत वाली घोड़ी नगिना भी आई है। नगिना मारवाड़ी नस्ल की होम ब्रीड घोड़ी है और देशभर में फेमस घोड़ा दिलबाग की बेटी है। वह अब दो महीने की प्रेग्नेंट है। नगिना को पंजाब के बठिंडा से मेले में लाया गया। वह पहले ही चार प्रदर्शनियों में जीत चुकी है। इस बार पुष्कर मेले में घोड़े और ऊंटों की संख्या बढ़ी है। अब तक कुल 348 पशु पहुंचे हैं, जिनमें 281 ऊंट और 66 घोड़े शामिल हैं। 66 घोड़ों में से 41 राजस्थान के बाहर से आए हैं। पुष्कर मेला 6 नवंबर तक आयोजित रहेगा। मेले में आए पशुपालकों ने घोड़ों और ऊंटों के लिए विशेष टेंट लगाए हैं। विभिन्न राज्यों से अश्व व्यापारी उच्च नस्ल और कद-काठी वाले घोड़े-घोड़ियों को लेकर मेले में शामिल हुए हैं। मेले की विशेषता रेतीले धोरे, पशु मंडी और सजाई गई मंडियों में घोड़ों का आकर्षक प्रदर्शन है। घोड़ों की आवक और आयोजन की तैयारियों के चलते मेले में देशभर से पशुपालक जुट रहे हैं। नगिना की उपस्थिति इस मेले में खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, और उसकी प्रेग्नेंसी की खबर पशु प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

एड गुरु पद्मश्री पीयूष पांडे का निधन, 'अबकी बार मोदी सरकार' और 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' जैसे मशहूर कैंपेन दिए थे

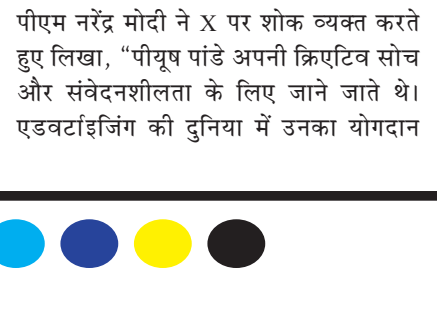

24 न्यूज अपडेट

मुंबई | भारतीय विज्ञापन जगत के सबसे रचनात्मक चेहरों में से एक और पद्मश्री से सम्मानित पीयूष पांडे का गुरुवार को मुंबई में निधन हो गया। वे 70 वर्ष के थे। जानकारी के अनुसार, वे पिछले कुछ समय से गंभीर संक्रमण से जूझ रहे थे। उनका अंतिम संस्कार आज मुंबई में किया जाएगा।विज्ञापन जगत के आइकॉन रहे पीयूष पांडे पीयूष पांडे ने भारतीय विज्ञापन की भाषा और शैली को नई दिशा दी। उन्होंने ही भारतीय राजनीति के सबसे चर्चित स्लोगनों में से एक "अबकी बार मोदी सरकार" तैयार किया था। इसके अलावा "मिले सुर मेरा तुम्हारा" जैसे देशभक्ति गीत की रचना में भी उनका योगदान रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया शोक पीएम नरेंद्र मोदी ने X पर शोक व्यक्त करते हुए लिखा, "पीयूष पांडे अपनी क्रिएटिव सोच और संवेदनशीलता के लिए जाने जाते थे। एडवर्टाइजिंग की दुनिया में उनका योगदान अतुलनीय है। उनके साथ हुई चर्चाओं को मैं हमेशा याद रखूंगा। उनके निधन से गहरा दुख हुआ है। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।"

भास्कर परिवार की श्रद्धांजलि

दिवंगत पीयूष पांडे दैनिक भास्कर समूह के बोर्ड में 10 वर्षों तक इंडिपेंडेंट डायरेक्टर रहे। उनके निधन पर भास्कर परिवार ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पांडे ने पत्रकारिता और विज्ञापन के बीच पुल का काम किया। उनकी क्रिएटिव सोच ने भारतीय विज्ञापन को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई।

विज्ञापन की दुनिया में 27 साल की उम्र में कदम राजस्थान में जन्मे पीयूष पांडे ने 27 वर्ष की आयु में अपने भाई प्रसून पांडे के साथ विज्ञापन जगत में प्रवेश किया। शुरुआती दौर में दोनों ने रेडियो जिंगल्स से पहचान बनाई। वर्ष 1982 में वे ओगिल्वी (Ogilvy) कंपनी से जुड़े और 1994 में कंपनी के बोर्ड में शामिल किए गए।

सम्मान और पुरस्कार

2016 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया। वहीं, 2024 में उन्हें LIA लीजेंड अवॉर्ड से नवाजा गया। विज्ञापन के क्षेत्र में उनके योगदान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया।

उनके 5 यादगार एड कैम्पेन जो इतिहास बन गए

फेविकॉल का "ट्रक वाला विज्ञापन" (2007): साधारण गोंद को राष्ट्रीय ब्रांड पहचान दिलाई — "फेविकॉल का जोड है, टूटेगा नहीं।" कैडबरी का "कुछ खास है जिंदगी में" (2007): क्रिकेट मैदान पर खुशी से नाचती लड़की का सीन आज भी यादों में ताजा है। एशियन पेंट्स का "हर घर कुछ कहता है" (2002): घर की दीवारों को भावनाओं से जोड़ने वाला ऐतिहासिक कैंपेन। हच (वोडाफोन) का "पग वाला विज्ञापन" (2003): "व्हेयरवर यू गो, हच इज विद यू" टैगलाइन के साथ मोबाइल कनेक्टिविटी का मानवीय चेहरा दिखाया।

भाजपा का "अबकी बार मोदी सरकार" (2014): सिर्फ 50 दिनों में तैयार हुआ यह कैंपेन भारतीय राजनीति के इतिहास में सबसे चर्चित बना। इसके अलावा, उन्होंने 'दो बूंदें जिंदगी की' जैसे पल्स पोलियो अभियानों से सामाजिक जागरूकता को नई पहचान दी। 50 दिन में बनाया था मोदी कैंपेन का ब्लूप्रिंट एक पुराने इंटरव्यू में पीयूष पांडे ने बताया था कि "अबकी बार मोदी सरकार" कैंपेन को उनकी टीम ने सिर्फ 50 दिनों में तैयार किया था, जिसमें 200 से अधिक टीवी विज्ञापन, 100 रेडियो एड्स और रोजाना सैकड़ों प्रिंट विज्ञापन बनाए गए। भाजपा नेताओं के साथ रोज मीटिंग्स होती थीं और हर लाइन पर विचार-विमर्श किया जाता था। भारतीय विज्ञापन जगत के युगांतकारी रचनाकार पीयूष पांडे ने सिर्फ विज्ञापन नहीं बनाए, बल्कि उन्होंने भारतीय सोच, संस्कृति और भावनाओं को ब्रांड भाषा में पिरोया। उनकी रचनात्मकता ने भारत के एडवर्टाइजिंग उद्योग को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई।

रेलवे तैयारः छठ पूजा के बाद यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए 6,181 विशेष ट्रेनें अधिसूचित

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली/पटना। भारतीय रेलवे ने छठ पूजा के बाद यात्रियों की सुगम और आरामदायक वापसी यात्रा सुनिश्चित करने के लिए 28 अक्टूबर से नवंबर तक 6,181 विशेष ट्रेनें चलाने की अधिसूचना जारी की है। इस त्योहारी सीजन में देशभर के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। रेलवे के मुताबिक, बिहार और उत्तर प्रदेश के लगभग 30 प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त डिब्बे जोड़े गए हैं और मौसम-रोधी होल्डिंग क्षेत्र बनाए गए हैं। इसके अलावा, एटीवीएम, पीआरएस काउंटर और मोबाइल टिकटिंग (एम-यूटीएस) सुविधाएं बढ़ाई गई हैं। अगले तीन दिनों में ही देशभर में 900 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी, ताकि बढ़ती भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। त्योहारों के माहौल को और जीवंत बनाने के लिए पटना, दानापुर, हाजीपुर, भागलपुर, जमालपुर, सोनपुर, नई दिल्ली, गाजियाबाद और आनंद विहार टर्मिनल जैसे प्रमुख स्टेशनों पर भक्तिमय छठ गीत बजाए जा रहे हैं। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संख्या में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) तैनात किए गए हैं। प्रमुख स्टेशनों पर यात्री सहायता बूथ, कतार प्रबंधन, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, 24x7 वॉर रूम और चिकित्सा केंद्र स्थापित किए गए हैं। पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया और सहरसा में 24x7 मेडिकल बूथ और एम्बुलेंस सेवाएं भी उपलब्ध हैं। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए होम स्टेशन और प्रतीक्षालयों में साफ-सफाई, पेयजल और चार्जिंग पोर्ट जैसी सुविधाओं को सुनिश्चित किया है। यात्रियों ने विशेष ट्रेनों और बेहतर व्यवस्थाओं की सराहना की है। रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन प्रसारित झूठी खबरों और वीडियो की जांच के लिए उनका "रेलवे फैक्ट चेक" प्लेटफॉर्म सक्रिय है। हाल ही में एक वायरल दावे को खारिज किया गया जिसमें मुंबई से बिहार जा रही ट्रेन से गिरकर दो यात्रियों की मौत होने का झूठा दावा किया गया था।

चलती बस में महिला ने दिया बच्चे को जन्म, ड्राइवर ने समझदारी दिखाते हुए बस को पहुंचाया अस्पताल

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। राजस्थान रोडवेज की चलती बस में शुक्रवार शाम एक महिला ने बच्चे को जन्म दे दिया। घटना की जानकारी मिलते ही बस चालक ने तुरंत निर्णय लेते हुए बस को यात्रियों सहित सीधे अस्पताल पहुंचाया, जहां महिला और नवजात दोनों को भर्ती किया गया। डॉक्टरों के अनुसार, दोनों की हालत अब पूरी तरह स्वस्थ है। जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के बड़ी सरवन निवासी दिनेश और उसकी गर्भवती पत्नी रमिला (23) इलाज के लिए उदयपुर आए थे। रमिला को पीलिया की शिकायत थी और वे उदयपुर से दवा लेकर बांसवाड़ा लौटने के लिए रोडवेज बस में सवार हुए थे। जब बस मोरड़ी गांव के पास पहुंची, तभी रमिला को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। बड़गांव के पास पहुंचते-पहुंचते रमिला ने चलती बस में ही बच्चे को जन्म दे दिया। बस स्टाफ ने तुरंत एम्बुलेंस को दी सूचना घटना की जानकारी मिलते ही बस चालक ने तत्काल एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलने पर तलवाड़ा से एम्बुलेंस कंपाउंडर संजय गुर्जर और चालक राजेंद्र जोशी मौके के लिए रवाना हुए। कंपाउंडर संजय गुर्जर ने बताया कि शाम 5:45 बजे सूचना मिली थी। वे चिड़ियावासा (बांसवाड़ा) पहुंचे और रोडवेज बस के चालक से संपर्क किया। चालक ने बताया कि बीच रास्ते में बस रोकने से मां और बच्चे की सेहत पर खतरा हो सकता है, इसलिए उन्होंने निर्णय लिया कि बस को सीधे महात्मा गांधी हॉस्पिटल ले जाया जाए।

अस्पताल में भर्ती, मां-बेटे की हालत सामान्य

अस्पताल पहुंचने पर एम्बुलेंस स्टाफ और अस्पताल कर्मियों ने प्रसूता रमिला और नवजात को प्रसूति वार्ड में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने बताया कि मां और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं और उपचार के बाद उन्हें शीघ्र डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

विवाहिता की संदिग्ध मौत, भाई ने ससुराल वालों पर जहर देकर मारने का लगाया आरोप

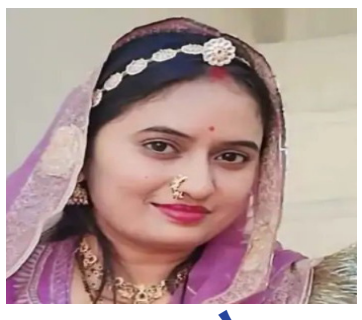

24न्यूज अपडेट

जोधपुर। शादी के तीन साल बाद एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका का पिछले चार दिनों से जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में इलाज चल रहा था। महिला के भाई ने ससुराल पक्ष पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतका के भाई ने बताया कि ससुराल पक्ष उसकी बहन को बांझ कहकर ताने देता था और दहेज में कार नहीं देने के कारण उसे प्रताड़ित करता था। शुक्रवार सुबह उपचार के दौरान विवाहिता की मौत हो गई। परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं और शव उठाने से इनकार कर दिया है। भाई ने कहा— "मेरी बहन को मौत देने वालों को सख्त से सख्त सजा मिले, ताकि उसकी आत्मा को शांति मिल सके।" मई 2022 में हुई थी शादी, पति का जयपुर में सोलर बिजनेस मृतका खुशबू राजपुरोहित (32) की शादी मई 2022 में पाली जिले के पिलोवनी गांव निवासी हर्षित सिंह के साथ हुई थी। हर्षित सिंह का जयपुर में सोलर पैनल का कारोबार है, जबकि परिवार जोधपुर में रहता है। खुशबू के पिता अमर सिंह राजपुरोहित की पाली में इलेक्ट्रिक की दुकान है।

भाई इंद्रजीत राजपुरोहित, निवासी धर्मधारी गांव (पाली), ने बताया— "हमने अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार दहेज दिया था। शुरू में सब ठीक था, पर कुछ समय बाद सास और जेठानी कम दहेज लाने के ताने देने लगीं। बाद में वे बहन को बांझ कहकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगीं।"

चार महीने से पीहर में थी, दीपावली से पहले

ससुराल वाले साथ ले गए इंद्रजीत ने बताया कि खुशबू जुलाई 2025 से पाली में अपने मायके में रह रही थी। 16 अक्टूबर को ससुराल वाले आए और समाज व परिवार के सामने भरोसा दिलाया कि अब उसे कोई परेशानी नहीं दी जाएगी। इस पर परिजनों ने दीपावली से पहले खुशबू को ससुराल भेज दिया। 21 अक्टूबर को दोपहर करीब 12:30 बजे ससुराल पक्ष से फोन आया कि खुशबू ने कुछ खा लिया है और तबीयत बिगड़ गई है। उन्होंने मुझसे कहा कि अकेले आना, किसी को साथ मत लाना।

बेसुध होने तक अस्पताल नहीं ले गए, बाद में पहुंचाई गई

मथुरादास माथुर हॉस्पिटल भाई ने आरोप लगाया कि खुशबू को तब तक अस्पताल नहीं ले जाया गया, जब तक वह बेहोश नहीं हो गई। क्योंकि अगर वक्त पर अस्पताल लाते तो खुशबू बयान दे सकती थी और सच्चाई सामने आ जाती। बाद में जब उसकी हालत गंभीर हुई तो उसे मथुरादास माथुर अस्पताल, जोधपुर में भर्ती कराया गया। वहां वह वेंटिलेटर पर थी और बयान देने की स्थिति में नहीं थी। शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

टीचर बनने का सपना अधूरा रह गया

भाई ने बताया कि खुशबू ने एमए और बीएसटीसी तक की पढ़ाई की थी। उसका सपना टीचर बनने का था। शादी के बाद वह तैयारी शुरू करना चाहती थी ताकि घर के खर्च में मदद कर सके, लेकिन ससुराल वालों के तानों और प्रताड़ना ने उसे मानसिक रूप से तोड़ दिया। धीरे-धीरे वह डिप्रेशन में चली गई और अंत में अपनी जान गंवा बैठी।

फीला ग्राम पंचायत में लेपर्ड ने गाय का किया शिकार, ग्रामीणों में दहशत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के कुराबड़ ब्लॉक की फीला ग्राम पंचायत में गुरुवार देर रात लेपर्ड (तेंदुए) ने एक गाय का शिकार कर लिया। घटना रात करीब तीन बजे की है। सुबह घटना का पता चलने पर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। किसान मांगीलाल पुत्र कालूलाल मीणा के घर के बाहर गाय बंधी हुई थी। सुबह जब वह उठा तो गाय नहीं दिखी। अनहोनी की आशंका के चलते मांगीलाल ने तलाश शुरू की और खेत में खून के निशान तथा गाय के बिखरे अवशेष देखकर दंग रह गया।

ग्रामीणों में बढ़ी दहशत, रात को खेतों में जाने से डर रहे किसान

घटना की खबर फैलते ही पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीण डालू मीणा ने बताया कि इससे पहले भी क्षेत्र में लेपर्ड द्वारा मवेशियों पर हमले की कई घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने कहा— "अभी खेती का समय है, खेतों में रात को निगरानी करनी पड़ती है, लेकिन लेपर्ड के बढ़ते मूवमेंट से अब किसान खेतों में जाने से डर रहे हैं।"

वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग

घटना की सूचना मिलते ही वनकर्मी मणिलाल मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने वन विभाग से पिंजरा लगाकर लेपर्ड को पकड़ने की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार, इससे पहले भी लेपर्ड फीला, नदीवेला, आवरा, बंबोरा, पातुखेड़ा और सोमखेड़ा गांवों में कई मवेशियों का शिकार कर चुका है। लगातार बढ़ते हमलों से किसान और पशुपालक दहशत में हैं। ग्रामीण अब अपने मवेशियों को रात में घरों के पास बांध रहे हैं और खेतों में समूह बनाकर निगरानी कर रहे हैं। उपचार के बाद उन्हें शीघ्र डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

बांसवाड़ा से पत्नी के तबादले के लिए दिव्यांग पति ने शुरू की स्कूटी यात्रा

24न्यूज अपडेट

जैसलमेर। दिव्यांग दंपती अनु रंगा और बीना रंगा एक बार फिर चर्चा में हैं। अनु रंगा अपनी दिव्यांग पत्नी के तबादले की मांग को लेकर शुक्रवार को स्कूटी से जयपुर के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा कि जब तक पत्नी का ट्रांसफर नहीं होगा, वे जैसलमेर नहीं लौटेंगे। अनु रंगा की पत्नी बीना रंगा बांसवाड़ा जिले के सेमलिया स्कूल में ग्रेड थर्ड टीचर हैं, जबकि परिवार जैसलमेर में रहता है। दोनों पैर से दिव्यांग हैं और उनकी 13 महीने की बच्ची मां के साथ बांसवाड़ा में रहती है। अनु रंगा ने बताया कि चार साल से पत्नी 735 किमी दूर है, जिससे परिवार टूट रहा है। उन्होंने कई बार शिक्षा विभाग व मुख्यमंत्री से तबादले की गुहार लगाई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। अब वे जयपुर पहुंचकर 27 अक्टूबर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलने का प्रयास करेंगे। उनके साथ मित्र कमल भी यात्रा पर हैं, ताकि रास्ते में मदद मिल सके। अनु रंगा का कहना है कि यह संघर्ष सिर्फ उनका नहीं, बल्कि उन सैकड़ों शिक्षकों की आवाज है जो अपने गृह जिलों में तबादले की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

पुलिस पर हमला करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार, कस्बे में निकाला गया जुलूस

24न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। आसपुर थाना क्षेत्र के पूंजपुर कस्बे में दीपावली ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों पर लाठियों से हमला करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों से एक बाइक और लाठी बरामद कर उन्हें कस्बे में जुलूस के रूप में घुमाया। थानाधिकारी प्रदीप सिंह ने बताया कि घटना 22 अक्टूबर की है। पूंजपुर बस स्टैंड पर तीन युवक बाइक से आकर अशांति फैला रहे थे। सूचना मिलने पर कॉन्स्टेबल राकेश कुमार और यशपाल सिंह मौके पर पहुंचे। जब उन्होंने युवकों को रोकने का प्रयास किया, तो एक युवक ने कॉन्स्टेबल यशपाल सिंह पर लाठी से हमला कर दिया और सभी मौके से फरार हो गए। घायल पुलिसकर्मी का उपचार कराया गया तथा तीनों के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए भोजतो का ओड़ा निवासी मेहुल मीणा, अनिल मीणा और रमेश मीणा को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त बाइक और लाठी बरामद की। गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों का आसपुर कस्बे में जुलूस निकाला गया, इस दौरान बदमाशों ने हाथ जोड़कर भविष्य में ऐसी वारदात न करने की कसम खाई।

चित्तौड़गढ़ में प्राइवेट हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत, नवजात की हालत गंभीर

24न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा (कविता पारख)। शहर के प्रतापनगर स्थित राजस्थान हॉस्पिटल में गुरुवार रात 30 वर्षीय नंदू पत्नी भरत पुरी की मौत हो गई, जबकि नवजात बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है। परिजनों ने हॉस्पिटल और डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया कि डिलीवरी के समय डॉक्टर मौजूद नहीं थे और केवल नर्सिंग स्टाफ ने केस संभाला। परिजनों और समाज के लोगों ने शुक्रवार सुबह हॉस्पिटल के बाहर नारेबाजी और हंगामा किया। पुलिस और प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद समझौता कराया गया। इसके तहत हॉस्पिटल की ओर से परिजनों को 4 लाख 25 हजार रुपए मुआवजा दिया जाएगा और नवजात बच्चे के इलाज की जिम्मेदारी डॉक्टर ने ली।

डिलीवरी के करीब 15 मिनट बाद ही मौत

नंदू देवी गणेशपुरा निवासी थी। उन्हें 21 अक्टूबर को शरीर में सूजन के कारण हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। डॉक्टर ने अगले दिन उन्हें डिस्चार्ज कर दिया था, लेकिन उसी रात उनकी तबीयत बिगड़ी। गुरुवार को डिलीवरी के करीब 15 मिनट बाद ही उनकी मौत हो गई। डिलीवरी के समय कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। नंदू देवी के पति भरत पुरी ऑटो चालक हैं। उनके तीन बच्चे हैं—12 साल की बेटी, डेढ़ साल का बेटा और नवजात। परिवार ने कुल 50 लाख रुपए मुआवजे की मांग की थी। डॉक्टर ने बताया कि महिला पहले से ही गंभीर स्थिति में थी और विभिन्न हॉस्पिटल्स से चेतावनी दी गई थी। डिप्टी एसपी विनय चौधरी, तहसीलदार राहुल धाकड़ और सीआई निरंजन प्रताप मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों और हॉस्पिटल प्रबंधन के बीच बातचीत कर समझौता कराया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ताराचंद गुप्ता ने चार सदस्यीय मेडिकल टीम भेजी। टीम ने हॉस्पिटल से सभी मेडिकल रिकॉर्ड जब्त किए और जांच शुरू कर दी है। डॉ. कालिम हुसैन ने कहा कि महिला की स्थिति पहले से गंभीर थी और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही वास्तविक कारण सामने आएगा। उन्होंने मुआवजे के अतिरिक्त 50 लाख की मांग को अस्वीकार किया।

पर्यटकों के लिए उदयपुर में रात्रि भोजन व्यवस्था की मांग, डीएम को ईमेल से भेजा ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पर्यटकों को रात्रि में भोजन सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के जिला सचिव हिम्मत चांगवाल ने उदयपुर जिलाधीश को ईमेल के माध्यम से ज्ञापन भेजा है। चांगवाल ने ज्ञापन में बताया कि उदयपुर राजस्थान का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। दिनभर पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के बाद देर रात शहर लौटने पर उन्हें भोजन नहीं मिल पाता, क्योंकि अधिकांश होटल रात 11 बजे के बाद भोजन सेवा बंद कर देते हैं। इससे पर्यटकों को काफी असुविधा होती है और शहर की छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि उदयपुर विश्व पर्यटन मानचित्र पर अपनी विशेष पहचान रखता है, ऐसे में पर्यटकों को रात्रि भोजन की सुविधा उपलब्ध कराना आवश्यक है। भाकपा ने प्रशासन से मांग की है कि शहर में एक "विशेष 24 घंटे फूड ज़ोन" विकसित किया जाए, जहां पर्यटकों को किसी भी समय सुरक्षित व स्वच्छ भोजन मिल सके। चांगवाल ने सुझाव दिया कि यह क्षेत्र बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन या शहर के मध्य में स्थापित किया जा सकता है, जहां पर्याप्त सुरक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उनका कहना है कि ऐसी व्यवस्था से पर्यटक न केवल बार-बार उदयपुर आएंगे, बल्कि अपने परिचितों को भी यहां आने के लिए प्रेरित करेंगे।

पारख ट्रैक्टर्स शो-रूम पर दीपावली पूजन व मिलन समारोह

24न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, निंबाहेड़ा (कविता पारख)। देशभर में मजबूती और गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध स्वराज ट्रैक्टर कंपनी के अधिकृत विक्रेता पारख ट्रैक्टर्स, निंबाहेड़ा के शो-रूम परिसर में दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में श्री लक्ष्मी पूजन एवं दीपावली मिलन समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शो-रूम के मालिक मुकेश पारख और राजेश पारख ने परिवारजनों व स्टाफ कर्मियों के साथ शुभ मुहूर्त में मां श्री लक्ष्मी जी की पूजा-अर्चना कर महाआरती की और सभी उपस्थितजनों ने माताजी का आशीर्वाद लिया। वाहनों की पूजा के पश्चात फटाखे फोड़े गए तथा सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। पूजन कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और आरती के साथ हुआ, जिसमें शो-रूम के समस्त कर्मचारी श्रद्धाभाव से सम्मिलित हुए। पारख परिवार ने विधि-विधानपूर्वक मां लक्ष्मी जी की आरती उतारी और समस्त कर्मचारियों, ग्राहकों व क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर नगरपालिका उपाध्यक्ष परवेज अहमद, फाइनेंस कंपनियों के अधिकारीगण, पारख परिवार के सदस्य, शो-रूम स्टाफ, आस-पास के किसान, व्यापारी वर्ग, शुभचिंतक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कुराबड़ पुलिस ने जब्त किया 785 ग्राम गांजा, एक आरोपी गिरफ्तार

24न्यूज अपडेट

उदयपुर। थाना कुराबड़ पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 785 ग्राम गांजा जब्त किया और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के दिशा-निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा तथा पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह के सुपरविजन में की गई। थानाधिकारी प्रभुलाल मीणा और उनकी टीम ने आसूचना के आधार पर बम्बोरा चौकी क्षेत्र में कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी कमलचंद पुत्र दौला, निवासी करमाल फला मोरवनी, थाना कुराबड़, को पकड़कर उसके कब्जे से 785 ग्राम गांजा जब्त किया। आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। टीम प्रभारी एवं सदस्यः श्री प्रभुलाल मीणा, थानाधिकारी, कुराबड़ श्री ईश्वरलाल, स.उ.नि. श्री राजेन्द्र कुमार, कांस्टेबल (2997) श्री मुकेश कुमार, कांस्टेबल (3178) श्री राजेन्द्र सिंह, कांस्टेबल (1255)

कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर

24न्यूज अपडेट

उदयपुर। अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, पारसी एवं जैन) की छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने वाली कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना सत्र 2025-26 अन्तर्गत आवेदन 31 अक्टूबर तक किए जा सकते हैं। आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित आवेदन पत्र ऑनलाईन भर कर निर्धारित तिथि तक पोर्टल पर अपलोड करना होगा। अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, पारसी एवं जैन) की 12 वीं उत्तीर्ण छात्राएं स्कूटी योजना 2025-26 हेतु नियमानुसार आवेदन कर योजना का लाभ उठा सकती हैं।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।